मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 66, मुंबई, गुरुवार, 22 अप्रैल, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

नासिक में बड़ा हादसा

सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक होने से 30 मिनट रुकी रही सप्लाई

24 मरीजों की मौत

33 की हालत नाजुक

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में बुधवार को सरकारी अस्पताल में बड़ा हादसा हो गया। नगर निगम के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक हो गया। इसे रिपेयर करने में 30 मिनट का वक्त लगा और इतनी देर ऑक्सीजन सप्लाई रोक दी गई। इसके चलते 24 मरीजों की मौत हो गई और 33 की हालत अभी नाजुक है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

परिजन बोले- 30 मिनट नहीं, 2 घंटे बंद रही ऑक्सीजन सप्लाई, आंखों के सामने तड़पकर दम तोड़ते रहे मरीज

हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से मरीजों की जान जाने पर दुख जाहिर किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संवेदना जताई।

हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगाः ठाकरे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अस्पताल में ऑक्सीजन रिसाव की वजह से गैस आपूर्ति बाधित होने से मारे गये 22 रोगियों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। घटना पर दु:ख जताते हुए ठाकरे ने इसकी व्यापक जांच की भी घोषणा की। उन्होंने एक बयान में कहा, घटना में मारे गये हर शख्स के परिजन को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। मैं लोगों से अपील करता हूं कि किसी तरह की राजनीति इस पर नहीं करें।

महाराष्ट्र में 1 मई तक लगाई गई कड़ी पाबंदी

शादियों में 25 लोगों को इजाजत, सरकारी दफ्तरों में 15% कर्मचारी ही आएंगे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच उद्धव सरकार ने बुधवार को बड़ा फैसला लेते हुए गुरुवार रात आठ बजे से एक मई तक के लिए लॉकडाउन लगा दिया है। जारी दिशानिर्देश के मुताबिक सभी सरकारी दफ्तर केवल 15 फीसदी कर्मचारियों की मौजूदगी के साथ चलेंगे। हालांकि यह पहले 50 फीसदी था। नए नियम के मुताबिक अब शादी समारोह के लिए सिर्फ दो घंटे की ही इजाजत होगी। शादी में सिर्फ 25 लोग ही शामिल हो सकते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बेवजह बाहर निकलने पर दस हजार का जुर्मानाः आदेश में कहा गया है कि जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को या बेहद ही जरूरी काम के लिए जैसे किसी के बीमार होने या मौत होने पर ही आने-जाने की अनुमति होगी। बेवजह जाते हुए पाए जाने पर 10 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा लोकल सेवा सिर्फ इमरजेंसी सर्विसेज के लिए चलेगी। साथ ही दूसरे जिले में जाने के लिए जरूरी कारण के तहत ही सफर कर पाएंगे।

भायखला जेल के 38 कैदी संक्रमित, इनमें शीना बोरा मर्डर में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी भी शामिल

महाराष्ट्र में कोविड संक्रमण बहुत ज्यादा तेजी से फैल रहा है। महाराष्ट्र की जेल में बंद कैदी भी अब कोरोना की चपेट में आने लगे हैं। शीना बोरा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी कोरोना संक्रमित हो गई हैं। बता दें कि इंद्राणी मुखर्जी मुंबई के भायखला जेल में बंद है। भायखला जेल में इंद्राणी मुखर्जी समेत 38 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। महाराष्ट्र में 19 अप्रैल तक 46 जेलों में 197 कैदी कोविड-19 से संक्रमित हो चुके हैं। यही नहीं कोरोना वायरस से सात कैदियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 94 से ज्यादा जेल कर्मचारी भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और इनमें से आठ कर्मचारी कोरोना की वजह से अपनी जान गंवा चुके हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संसाधनों की हिफाजत

एक तरफ, जब देश में कोविड-19 के कारण रोजाना 1,500 से अधिक लोगों की जान जाने लगी है; कई राज्यों से टीके के अभाव की शिकायतें सुनने को मिल रही हैं, तब यह उद्घाटन सचमुच हतप्रभ कर देने वाला है कि 11 अप्रैल तक देश में टीके की 44.5 लाख से अधिक खुराकें बरबाद हो गईं। एक आरटीआई के जरिए यह खुलासा हुआ है कि उस दिन तक तकरीबन 23 फीसदी खुराक बेकार हो गई। हैरत की बात है कि ऐसा उन राज्यों में सर्वाधिक हुआ, जो इस वक्त महामारी से हलकान नजर आ रहे हैं। राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, हरियाणा जैसे प्रदेशों के नाम इस सूची में ऊपर हैं। यह सूचना हमारी विशाल आबादी के लिहाज से भी काफी चिंताजनक है। हम अभी तक अपनी आबादी के एक प्रतिशत से कुछ ही अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण कर सके हैं, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश क्रमशः 25 व 15 फीसदी से आगे बढ़ चले हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी उत्पाद की वितरण-प्रणाली में कतिपय कमियों के कारण कुछ हद तक नुकसान की आशंका रहती है। अमेरिका में भी पहले चरण के टीकाकरण अभियान में नुकसान हुए थे, लेकिन हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की कुल आबादी हमारी जनसंख्या की एक चौथाई के करीब है। हमारे लिए हानि की यह मात्रा इसलिए ज्यादा चुभने वाली है कि हमें महामारी से जंग में लंबी दूरी तय करनी है। अपने संसाधनों का इस्तेमाल हमें काफी किफायत से करने की जरूरत है। तब तो और, जब देश के कई अस्पतालों से ऑक्सीजन न मिलने के कारण कोविड मरीजों के दम तोड़ने की खबर सुर्खियों में हों। यहां तक कि हाईकोर्ट को कहना पड़ रहा है कि 'उद्योग ऑक्सीजन का इंतजार कर सकते हैं, पर कोविड मरीज नहीं।' केंद्र सरकार ने उचित ही नौ औद्योगिक क्षेत्रों में ऑक्सीजन-आपूर्ति की सीमा तय कर शेष को चिकित्सा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। कोविड-19 से संघर्ष में इस वक्त हम जिस मोड़ पर खडे.हैं, उसमें अब किसी कोताही के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि वह जनता ही नहीं, पूरी मानवता के प्रति आपराधिक लापरवाही कहलाएगी। देश में टीकाकरण अभियान की शुरूआत से पहले बाकायदा कई अभ्यास किए गए थे, इसका प्रोटोकॉल तय हुआ था, उसके बावजूद यदि यह स्थिति है, तो हमें अपने निगरानी तंत्र पर गौर करने और बगैर वक्त गंवाए उसे दुरुस्त करने की दरकार है। राज्य सरकारों को भी अपनी कार्यशैली पर ध्यान देने की जरूरत है। आखिर अनेक राज्यों, मसलन केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल, मिजोरम, गोवा ने नजीर पेश की ही है। इन राज्यों में कोई खुराक बरबाद नहीं हुई। केंद्र-राज्यों में तकरार और गिले-शिकवे संघीय लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं, मगर कुछ विषय इससे परे होते हैं और इसके लिए बड़प्पन की मांग सभी पक्षों से की जाती है। देश के नागरिक इस समय तकलीफ में हैं, तो ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिए, जिससे उनकी पीड़ा दोहरी हो जाए। लोग गम जज्ब कर लेते हैं, अगर उन्हें यह दिखता है कि मददगारों ने अपने तईं ईमानदार कोशिश की थी। इसलिए जीवन रक्षक संसाधनों की बबार्दी, कालाबाजारी को केंद्र और राज्यों को हर हाल में रोकना ही होगा।

भारत झूठ से इस स्थिति में पहुंचा!

कोरोना वायरस की महामारी से लड़ाई में भारत असहायता, बेचारगी और दयनीयता की मौजूदा स्थिति में कैसे पहुंचा? भारत को इस स्थिति में पहुंचाने के लिए कौन जिम्मेदार है? तीन महीने पहले भारत में 'दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान' शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री ने एक-एक कर दुनिया के देशों को वैक्सीन अनुदान के तौर पर भेजनी शुरू की थी और अनेक देशों को वैक्सीन का निर्यात किया गया था। देश इस बात पर खुश था कि बारबाडोस या एंटिगा के किसी पूर्व क्रिकेटर ने ट्विट करके प्रधानमंत्री का आभार जताया कि उन्होंने उसके देश को वैक्सीन भेजी। सरकार के मंत्री कई दिनों से बता रहे थे कि भारत ने सौ मिलियन यानी 10 करोड़ लोगों को सबसे कम समय में वैक्सीन लगाई है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जब संख्या की बजाय इस बात पर जोर देने को कहा कि कितनी फीसदी आबादी को वैक्सीन लगाई गई, तो सरकार इतनी नाराज हो गई कि स्वास्थ्य मंत्री ने उनको चिट्ठी लिख कर बेहद सख्त लहजे में कहा कि आपकी पार्टी भी तो यह बता रही है कि कितने लाख लोगों को कोरोना हो गया, वे कौन सा प्रतिशत में बता रहें हैं कि कितने प्रतिशत आबादी को संक्रमण हुआ है। सोचें, एक अच्छे सुझाव के प्रति सरकार का कैसा हिकारत भरा व्यवहार है!

असल में सरकार के इसी झूठे अहंकार ने आज भारत को इस स्थिति में ला दिया है, जहां वैक्सीन अनुदान में बांटने और निर्यात करने वाला देश वैक्सीन आयात करने की स्थिति में आ गया है। आज भारत दुनिया भर के देशों से और वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों से आग्रह कर रहा है कि वे भारत को वैक्सीन बेचें। उन्हें भारत में वैक्सीन बेचने के लिए आयात शुल्क पर 10 फीसदी छूट देने का ऐलान किया है। रूस की वैक्सीन स्पुतनिक-वी का जल्दी ही भारत में आयात शुरू होगा। दुनिया की इकलौती महाशक्ति अमेरिका ने अपने यहां वैक्सीन स्टोर करके रखा, जो वैक्सीन नहीं लगाई जा रही थी उसकी भी करोड़ों डोज वहां रखी रही यहां तक वैक्सीन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के निर्यात पर भी अमेरिका ने पाबंदी लगा दी। इस वैक्सीन राष्ट्रवाद के लिए दुनिया भर में राष्ट्रपति जो बाइडेन की आलोचना हुई। लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। उन्होंने वैक्सीन की एक डोज देश से बाहर नहीं जाने दी।

लेकिन किसान आंदोलन और देश में प्रतिरोध की आवाजों को दबाने की खबरों से बिगड़ी अपनी छवि ठीक करने के चक्कर में प्रधानमंत्री ने भारत से न सिर्फ वैक्सीन का निर्यात होने दिया, बल्कि लाखों डोज अनुदान में बांट दी। कह सकते हैं कि भारत में वैक्सीन बनाने वाली निजी कंपनियों का पहले से करार था, जिसकी वजह से उन्हें वैक्सीन निर्यात करनी पड़ी। लेकिन अब क्या हो गया, जो ब्रिटेन को ही वैक्सीन का निर्यात रोकने का फैसला हो रहा है! भारत के सीरम इंस्टीच्यूट में जो वैक्सीन बन रही है उसका फॉर्मूला ब्रिटेन ने दिया है लेकिन भारत अब उसी को मैन्यूफैक्चरर करार के तहत वैक्सीन की आपूर्ति रोक रहा है। इस से नाराज ब्रिटेन ने करार तोड़ने के खिलाफ नोटिस दिया है और लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी है। सोचें, तीन महीने पहले 'दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान' शुरू करके और दुनिया को वैक्सीन निर्यात करके या अनुदान में बांट कर गर्व से सीना तानने वाला देश आज वैक्सीन आयात पर निर्भर हो गया है और दुनिया के देशों और कंपनियों से मनुहार कर रहा है वे उसे वैक्सीन आयात करें! यह दुर्भाग्य है कि देश के प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि अपनी रैलियों में आने वाले लोगों की दूर-दूर तक फैली भीड़ को ही देख पाती है। नेता की दूरदृष्टि ऐसी होनी चाहिए, जिसमें उसे पूरा देश दिखे, कतार में खड़ा आखिरी नागरिक दिखे, उसे वह दिखाई दे जो बाकी लोग नहीं देख पा रहे हैं। लेकिन अफसोस की बात है, जो बाकी लोग देख रहे थे, राहुल गांधी जिस निकट भविष्य को देख कर भविष्यवाणी कर रहे थे वह भी प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के किसी मंत्री को नहीं दिखा। देश के ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगा कर ही कोरोना को रोका जा सकता है, यह बात दुनिया के अनुभव से सबको पता थी पर भारत सरकार ने 'दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान' शुरू करने के बाद वैक्सीन का बंदोबस्त ही नहीं किया। अब सरकार ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को साढ़े चार हजार करोड़ रुपए एडवांस दिए हैं। अगर यह काम पिछले साल किया गया होता तो कई कंपनियां इस समय वैक्सीन का उत्पादन कर रही होतीं या जो दो कंपनियां वैक्सीन बना रही हैं उन्होंने ही अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई होती।

जिस तरह से स्वच्छ भारत और डिजिटल इंडिया आदि की योजनाओं में प्रचार के जरिए वाह-वाही कराई गई उसी तरह के झूठे प्रचार के जरिए सरकार ने कोरोना से लड़ाई में भी अपनी वाह-वाही कराई। पिछले साल अक्टबूर-नवंबर में गर्व के साथ ऐलान कर दिया गया कि भारत ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीत ली। सरकार के मुखिया से लेकर सारे मंत्रियों और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के नेताओं तक ने कहना शुरू कर दिया कि भारत ने दुनिया के किसी दूसरे देश के मुकाबले बेहतर ढंग से कोरोना को हैंडल किया है। इस झूठे या अधूरे प्रचार के आधार पर देश के लोगों से कहा जाने लगा कि वे अपनी किस्मत को धन्य मानें कि उन्हें नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिला है, जिसने उन्हें कोरोना के कहर से बचा दिया। लेकिन आज क्या स्थिति है? आज पूरे देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा है। कहां तो अपनी बौद्धिक क्षमता और मेधा के गर्व का प्रचार हो रहा था कि हम दुनिया को वैक्सीन और दवाएं देकर उन्हें बचा रहे हैं और कहां आज ऑक्सीजन जैसी बुनियादी चीज की कमी से अस्पतालों में लोगों की मौत हो रही है! लगभग हर राज्य ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है और देश के प्रधानमंत्री को ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए मोर्चा संभालना पड़ रहा है।

पूंजी के कब्जे में लोकतंत्र

राजनीति-शास्त्री और समाजशास्त्री अमेरिकी लोकतंत्र में पैदा हुए संकट की वजह यही बताते रहे हैं। उनका कहना है कि देश के लोकतंत्र पर वॉल स्ट्रीट यानी अमेरिकी शेयर बाजार यानी वहां के कॉरपोरेट सेक्टर का शिकंजा इतना कस चुका है कि लोकतंत्र की मूल भावना दमित हो गई है। इसके विरोध में लोग उग्र दक्षिणपंथ या वामपंथ की धुरियों पर जा रहे हैं। हालांकि ये बात नई नहीं है, लेकिन इस समस्या का समाधान निकालने की कोशिश होती नहीं दिखती। इस कारण लोगों में हताशा का फैलना लाजिमी है। अब सामने आए ताजा आंकड़ों का निष्कर्ष है कि 2020 के चुनाव में पूंजी का बड़ा हस्तक्षेप कायम रहा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक बीमा कंपनियां, वित्तीय सेवा कंपनियां और रियल एस्टेट सेक्टर ने पिछले चुनाव में खूब चंदा दिया। सेंटर फॉर रेस्पॉन्सिव पॉलिटिक्स नाम की गैर सरकारी संस्था के आंकड़ों के आधार रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि किस पार्टी और

किस नेता को किस कंपनी से कितना चंदा मिला। इसके मुताबिक वॉल स्ट्रीट ने उन 147 रिपब्लिकन नेताओं को भी चंदा दिया था, जिन्होंने सीनेट या हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव का चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्वाचन को वैध मानने से इनकार कर दिया। कुल अनुमान यह है कि 2020 के संघीय चुनाव पर कम से कम 14.4 अरब डॉलर का साझा खर्च आया। इसमें 1.05 अरब का काला धन भी है, जिसका स्त्रोत अज्ञात है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2020 का संघीय चुनाव पूरे अमेरिकी इतिहास का सबसे महंगा चुनाव रहा। इस दौरान ऐसे कथित 'स्वतंत्र' संगठनों को दिए गए चंदे में दो गुना बढ़ोतरी हुई, जिन्होंने उस रकम का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया। यानी यह परोक्ष रूप से दिया गया चुनावी चंदा था। तो जानकारों का ये कहना उचित ही है कि वॉल स्ट्रीट के पास जैसा असीमित धन है, चुनाव प्रचार के लिए चंदे से संबंधित सिस्टम लगभग अप्रभावी है, और चुनावी चंदा देने पर कोई व्यावहारिक सीमा नहीं है। तो वित्तीय सेवा कंपनियां अमेरिकी राजनीति में नीतिगत बहसों को अपने मुताबिक ढालने हाथ खोल कर खर्च करती हैं। जब ये ऐसा करती हैं, तो बाद में नीतियां भी उनके मनमाफिक बनती हैं। इसलिए इसमें कोई हैरत नहीं कि महामारी के दौर में जब आम लोग गहरे मुसीबत में थे, तब अरबपतियों की संपत्ति बढ़ती चली गई। यही अमेरिकी लोकतंत्र की हकीकत है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मालाड में बनेगा 2,000 बेड का जंबो अस्पताल

मुंबई। मुंबई में कोरोना मरीजों को पेश आ रही बेड की कमी दूर करने के लिए सरकार ने मालाड में 2 हजार बेड का जंबो अस्पताल तैयार करने का निर्णय लिया है। ओपन अस्पताल तैयार करने का जिम्मा मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को सौंपा है। इस अस्पताल में 200 बेड में आईसीयू की सुविधा होगी। अस्पताल में आने वाले कोरोना के क्रिटिकल मरीजों का भी उपचार किया जा सकेगा। पिछले कुछ सप्ताह से

मुंबई में तेजी से कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। रोजाना 8 हजार से 10 हजार के करीब नए केस सामने आ रहे हैं। मौजूदा समय में कोरोना वायरस से संक्रमित 83,934 ऐक्टिव मरीज हैं, इसलिए सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड कम पड़ने लगे हैं। ऐसे में उपनगर में जंबो अस्पताल तैयार करने की योजना बनाई गई है। जल्द से जल्द अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए एमएमआरडीए कमिश्नर आर.ए. राजीव समेत अन्य अधिकारियों ने मालाड पहुंच अस्पताल के लिए दी गई जमीन का जायजा लिया।

हल होगी बेड की समस्या: एमएमआरडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार को सरकार ने उन्हें अस्पताल तैयार करने का काम सौंपा है। जल्द ही अस्पताल का डिजाइन तैयार कर निर्माण कार्य आरंभ किया जाएगा। पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे के अनुसार, मालाड में 2000 बेड के अस्पताल के बन जाने से कोरोना मरीजों की बेड की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

पहले भी बनाए अस्पताल: बता दें कि एमएमआरडीए बीकेसी में कोरोना मरीजों के लिए दो जंबो अस्पताल तैयार कर चुका है। दोनों अस्पतालों में मरीजों के लिए 2 हजार से अधिक बेड उपलब्ध हैं। प्राधिकरण ने बेहद कम समय में बीकेसी में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ 1,000-1,000 बेड के दो अस्पताल बनाए थे। अस्पताल में एक्सरे, ईसीजी, पल्स ऑक्सिमीटर, कंप्यूटर समेत लैब की व्यवस्था की गई है। एमएमआरडीए के अनुभव को देखते हुए सरकार ने 2 हजार बेड का नया जंबो अस्पताल बनाने का जिम्मा प्राधिकरण को दिया है।

बीएमसी अस्पतालों में रेमडेसिविर की कमी नहीं, मेयर ने कहा, मुश्किल समय में मुंबई की जनता मेरे साथ

मुंबई। कोरोना मरीजों के उपचार में उपयोगी रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत पूरे देश में है। मुंबई में भी कोरोना मरीजों को यह इंजेक्शन नहीं मिल रहा है। लेकिन बीएमसी हॉस्पिटल में इसकी कोई कमी नहीं है। यह दावा मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर ने किया है। मुंबई की महापौर ने कहा कि डॉक्टरों के मुताबिक, यह इंजेक्शन कोरोना मरीजों के लिए काफी उपयोगी है। बीएमसी के अस्पतालों में इसकी कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मेरी सप्लायरों से अपील है कि इसकी आपूर्ति जारी रखें। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए पेडणेकर ने कहा कि एक व्यापारी के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री का रात दो बजे पुलिस स्टेशन जाना उचित नहीं है। यह उन्हें शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लिए मुश्किल घड़ी है। इसमें सबको सहयोग देना चाहिए, लेकिन कुछ लोग सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर वह हर जगह जाएंगी। लोगों की परेशानी दूर करने का प्रयास हो रहा है। कुर्सी पर बैठ कर ट्वीट करनेवालों से मुझे सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। इस मुश्किल समय में मुंबई की जनता मेरे साथ है। पेडणेकर ने कहा कि मुंबई में जल्द ही ऑक्सिजन की कमी दूर हो जाएगी। इसके लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले दिनों कुछ अस्पतालों में ऑक्सिजन की किल्लत हो गई थी, मरीजों को सफलता पूर्वक दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

क्या अचल संपत्ति का रजिस्ट्रेशन कराना जरुरी है?

उत्तर : इस प्रश्न के उत्तर से पहेले यह जान लेना जरुरी है की अचल संपत्ति के अंतर्गत क्या क्या आता है : जनरल क्लाज एक्ट, 1897 की धारा 3 (26) के अनुसार, अचल संपत्ति में 'भूमि, भूमि से उत्पन्न होने वाले लाभ और पृथ्वी से जुड़ी चीजें या स्थायी रूप से पृथ्वी से जुड़ी किसी भी चीज के लिए उपवास' शामिल हैं। शब्द पृथ्वी से जुड़ा हुआ है, जिसे संपत्ति अधिनियम, 1882 के हस्तांतरण में और अधिक परिभाषित किया गया है। अधिनियम की धारा 3 के अनुसार, 'पृथ्वी से जुड़ी' समझी जाने वाली चीजें हैं:

(ए) पृथ्वी में निहित है, जैसे पेड़ों और झाड़ियों के मामले में। हालांकि, अधिनियम यह भी कहता है कि 'अचल संपत्ति' शब्द खड़ी लकड़ी, बढ़ती फसलों या घास को कवर नहीं करता है।

(बी) पृथ्वी में इम्बेडेड, जैसा कि दीवारों या इमारतों के मामले में।

क्या अचल सम्पति का रजिस्ट्रेशन जरुरी है?

पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 17 के अनुसार, सभी लेनदेन जिसमें 100 रुपये से अधिक मूल्य के लिए अचल संपत्ति की बिक्री शामिल है, को पंजीकृत किया जाना चाहिए। इसका प्रभावी रूप से अर्थ है कि अचल संपत्ति की बिक्री के सभी लेनदेन को पंजीकृत करना होगा, क्योंकि कोई भी अचल संपत्ति केवल 100 रुपये में नहीं खरीदी जा सकती है। अनिवार्य रूप से पंजीकृत होने के लिए भी आवश्यक हैं। विशेष मामलों में, जब लेनदेन के लिए एक पक्ष उप-पंजीयक के कार्यालय में नहीं आ सकता है, तो उप-पंजीयक अपने किसी भी अधिकारी को ऐसे व्यक्ति के निवास पर, पंजीकरण के लिए दस्तावेजों को स्वीकार करने के लिए प्रतिनियुक्त कर सकता है। 'अचल संपत्ति' शब्द में भूमि, भवन और इन संपत्तियों से जुड़े किसी भी अधिकार शामिल हैं।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

नासिक में बड़ा हादसा

मौतों की पुष्टि नासिक के जिलाधिकारी सूरज मांढरे ने की है। नासिक के मेयर सतीश कुलकर्णी ने देर शाम दो और मौतों की पुष्टि की। दोपहर दो बजे के करीब हुई इस घटना में 22 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। राज्य सरकार ने मामले की जांच हाई पावर कमेटी से कराने की घोषणा की है। जिस वक्त ऑक्सीजन सप्लाई रोकी गई, उस वक्त 171 मरीज ऑक्सीजन पर और 67 मरीज वेंटीलेटर पर थे। ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से अस्पताल में अफरातफरी का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, टैंक से आने वाले सप्लाई पाइप में लीकेज हुआ था। अभी इसे सुधार दिया गया है। इस लीकेज के दौरान 20 किलो लिक्विड ऑक्सीजन बर्बाद हुई। फिलहाल हॉस्पिटल के साथ जिला प्रशासन ने भी इस लीकेज की जांच शुरू कर दी है। हादसे पर गृह मंत्री अमित शाह ने संवेदना जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'नासिक के एक अस्पताल में ऑक्सीजन लीक होने से हुई दुर्घटना का समाचार सुन दुखी हूं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी इस अपूरणीय क्षति पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बाकी सभी मरीजों की कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।' इस घटना में एक महिला की भी मौत हुई है। उसके ससुर ने बताया कि 4 दिन पहले अस्पताल लेकर आए थे। हालत में लगातार सुधार हो रहा था, लेकिन ऑक्सीजन सप्लाई रुकते ही तबीयत खराब होने लगी और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मैंने उसे अपनी आंखों के सामने तड़पता हुआ देखा। मैं इधर-उधर भाग रहा था, लेकिन कोई उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया। हॉस्पिटल प्रशासन भी कोई जवाब नहीं दे पाया। अस्पताल में मौतों की शुरूआती जानकारी सामने आते ही महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से सवाल हुए। उन्होंने कहा कि हमें नासिक में ऑक्सीजन लीकेज की जानकारी मिली है। मैं लगातार वहां के प्रशासन से संपर्क में हूं और जानकारी ले रहा हूं। मौतों के बारे में उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। इसके करीब 45 मिनट बाद उन्होंने मौतों की बात स्वीकारी और कहा- वॉल्व में लीकेज हुआ था। इससे ऑक्सीजन सप्लाई रुकी। जिन मरीजों की मौत हुई, उनमें वेंटिलेटर पर मौजूद 11 मरीज भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 1 मई तक लगाई गई कड़ी पाबंदी

इस नियम को तोड़ने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। नई पाबंदियों के मुताबिक सरकारी बस 50 फीसदी क्षमता पर चलेगी। खड़े रहकर सफर करने पर सख्त मनाही होगी। इसके अलावा निजी बस के चालक को एक जिले से दूसरे जिले जाने पर पहले लोकल डीएमए को सूचना देना जरूरी होगा, साथ ही निजी बस कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी के वे दूसरे जिले जाने वाले लोगों के हाथ में 14 दिन क्वारंटीन का मुहर लगाए। वहीं दूसरे जिले में जाने के लिए लोगों को जरूरी कारण बताना होगा। दिशानिर्देश में कहा गया है कि जरूरी सेवाओं को छोड़कर बेवजह बाहर निकलने पर 10 हजार का जुर्माना लगेगा। लोकल सेवा सिर्फ आपातकाल सेवा के लिए चलेगी। बता दें कि महाराष्ट्र में कोरोना की रफ्तार बेकाबू हो गई है। यहां 24 घंटे में 67468 नए मामले सामने आए हैं और 568 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान 54985 लोग स्वस्थ भी हुए हैं।

पूरे गोवा में लगा नाइट कर्फ्यू, 10वीं और 12वीं की परीक्षा स्थगित

संवाददाता

पणजी। गोवा में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में नाइट कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। यह कर्फ्यू रात के 10 बजे से लेकर सुबह के छह बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान कैसीनो, रेस्तरां और बार, सिनेमा हॉल को 50 फीसदी क्षमता के साथ अनुमति होगी। वहीं सरकार ने छात्रों के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए 10वीं और 12वीं की परीक्षा स्थगित कर दी है।

योग गुरु राधेश्याम ने समर्थ सागर मोरे का जन्मदिन द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के मेंबर के साथ बड़े धूमधाम से मनाया

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय दर्जे की मास्टर योग गुरु राधेश्याम जयसवार द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के प्रेसिडेंट है। मुंबई महाराष्ट्र के बच्चों के लिए government hostel training centre फ्री में ट्रेनिंग देने का काम अपने हाथों में लिए हैं। खेल के माध्यम से गवर्नमेंट हॉस्टल ट्रेनिंग शुरू हो गई है, योग गुरू राधेश्याम के फिजिकल ट्रेनिंग सेंटर में इस बार बच्चों को ट्रेनिंग देने का काम किया जा रहा है जिसकी आयु 7 वर्ष से 15 वर्ष तक बच्चों की ट्रेनिंग दी जा रही है जो भी बच्चा अपने फिजिकल फिटनेस ट्रेनिंग में पास हो जाएगा, उसको योग गुरु राधेश्याम जयसवार महाराष्ट्र में बालेवाडी पुणे जो एक गवर्नमेंट हॉस्टल है और उसी में अध्ययन करके योग गुरु राधेश्याम बाहर निकले हैं जो बहुत ही अच्छा खेल जगत में यह हॉस्टल है अगर किसी बच्चों को यह हॉस्टल नसीब हो जाए ट्रेनिंग के जरिए या उसकी खेल के जरिए तो उस बच्चे का भाग्य बदल जाएगा। महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने कीड़ा संकुल बालेवाडी पुणे के बच्चों के लिए बहुत पहले से निशुल्क योजना चला रखी है मैं भी उसी योजना के तहत खेल के जरिए क्रीड़ा प्रबोधिनी बालेवाडी पुणे में सिलेक्शन हो गया था और मैं आज इस लेवल पर चल रहा हूं जो पूरा क्रेडिट जाता है क्रीड़ा प्रबोधिनी को बच्चों के लिए बहुत ही बड़ा खेल का यह संस्था है जिसको गवर्नमेंट हो गया जिसमें करती है मैं चाहता हूं कि मेरे इन निस्वार्थ ट्रेनिंग सेंटर में ऐसे बच्चों को भी इंट्री मिले जो देश का नाम कर सकें इसीलिए मैं भी अपने महाराष्ट्र मुंबई के बच्चों के लिए द ह्यूमन योगा फाउंडेशन सामाजिक संस्था खोल रखा गया है। ताकि यहां पर योगा और खेल से संबंधित बच्चों को निस्वार्थ भावना से ट्रेनिंग मिल सके। कोई

भी बच्चा आकर किसी भी गेम के लिए हॉस्टल में जाने के लिए प्रैक्टिस कर सकता है निशुल्क ट्रेनिंग सेंटर है द ह्यूमन योगा फाउंडेशन पूरे महाराष्ट्र के बच्चों के लिए फ्री में ट्रेनिंग चालू किए हैं। आप लोग इस ट्रेनिंग का लाभ लेते रहे। योग गुरु राधेश्याम का यह लक्ष्य है देश में ज्यादा से ज्यादा मैडल मिले भारत का नाम रोशन हो और ओलंपिक खेलों में भारत के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा मेडल लाने का काम करें यह मेरा लक्ष्य है। साथ ही योग गुरू राधेश्याम ने समर्थ सागर मोरे का जन्मदिन द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के मेंबर के साथ बड़े धूमधाम से मनाया है।

द हुमन योगा फाउंडेशन का एक खिलाड़ी अपने खेल के जरिए योग गुरु राधेश्याम के ट्रेनिंग के माध्यम से क्रीड़ा प्रबोधिनी में प्रवेश कर लिया है उसका नाम है यस तानाजी पाटील जो महाराष्ट्र रहने वाला है, यह लड़का बहुत ही होनहार है देश को स्वर्ण पदक लाने का दम रखता है। ऐसे ही बच्चों को योगा गुरु राधे श्याम देश के लिए मेडल स्वर्ण पदक लाने के लिए ट्रेनिंग की योजना चला रखी है और इस योजना का सभी लोग लाभ लेने की कृपा करें और द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के लिए भारत सरकार से फंड की जरूरत है तभी योग गुरु राधे श्याम अपने कार्यों को और बढ़ा सकते हैं।

ममता ने कोरोना की दूसरी लहर के लिए प्रधानमंत्री मोदी को ठहराया जिम्मेदार, कहा- यह मोदी निर्मित त्रासदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार (21 अप्रैल) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में कोविड-19 की दूसरी लहर और इसका प्रबंधन 'मोदी-निर्मित त्रासदी' है। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल का नेतृत्व 'बंगाल इंजन' सरकार ही करेगी, न कि मोदी की 'डबल इंजन' सरकार। ममता बनर्जी बोलीं, कोरोना की दूसरी लहर बहुत तेज है। मैं इसे मोदी निर्मित त्रासदी कहूंगी। न तो इंजेक्शन उपलब्ध हैं और न ही ऑक्सीजन। टीके और दवाइयां बाहर भेजी जा रही हैं, जबकि देश में इनकी कमी है।' उन्होंने दावा किया कि यह चुनाव पश्चिम बंगाल को बचाने और बंगाली माता के सम्मान बचाने की लड़ाई है। ममता बनर्जी ने कहा, 'हमारे राज्य को बंगाल इंजन सरकार चलाएगी,

न कि मोदी की डबल इंजन की सरकार। हम गुजरात को अपने राज्य पर कब्जा करने और दिल्ली से शासन चलाने नहीं देंगे। बंगाल पर बंगाल ही शासन करेगा।' बता दें कि भाजपा के नेता अक्सर अपनी चुनावी रैलियों में जनता से राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं, जिसका अर्थ होता है कि केंद्र व राज्यों में एक ही दल की सरकार होना। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने मतदाताओं से वामपंथी दलों, कांग्रेस और इंडियन सेक्यूलर फ्रंट (आईएसएफ) के गठबंधन को मत ना देने की भी अपील की और दावा किया कि इससे भाजपा का हाथ मजबूत होगा। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने सात महीने पहले कहा था कि कोरोना का संक्रमण कम हो गया। उन्होंने कहा, 'अब चुनाव में भाजपा दूसरे राज्यों से लोगों को लेकर आ रही है और यहां के लोगों में संक्रमण फैला रही है।' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन को सुरक्षित घर तलाश करने में दिक्कतें हो रही हैं, क्योंकि सरकारी मकानों का इस्तेमाल केंद्रीय बल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वैसे तो हमने अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाई है, लेकिन मैं लोगों से अनुरोध करूंगी कि यदि बहुत ज्यादा लक्षण न हों तो वे घरों में ही पृथकवास में रहें।' उन्होंने हल्के लक्षणों वाले कोविड मरीजों से छह बजे शाम के बाद मतदान करने की अपील की।

केंद्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय से कहा, घर-घर जाकर टीका लगाना संभव नहीं है

मुंबई। केंद्र सरकार ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया कि कई कारणों से घर-घर जाकर टीकाकरण करना संभव नहीं होगा, जिसमें संक्रमण की आशंका और टीके की बबार्दी भी शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अधिवक्ता ध्रुति कपाडिया और कुणाल तिवारी की जनहित याचिका पर अपने जवाब में यह दावा किया है। जनहित याचिका (पीआईएल) में 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, दिव्यांगों और बिस्तर या व्हील चेयर पर रहने के लिए बाध्य लोगों की खातिर घर पर टीकाकरण की

सुविधा का आग्रह किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में अवर सचिव सत्येंद्र सिंह ने हलफनामे में यह सुविधा नहीं मुहैया कराने के कई कारण गिनाए। हलफनामे में कहा गया है, टीकाकरण के बाद प्रतिकूल परिस्थिति की हालत में मामले का ठीक तरीके से प्रबंध नहीं किया जा सकेगा और स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों तक पहुंचने में विलंब होगा तथा टीकाकरण के बाद 30 मिनट तक रोगी की निगरानी करने के प्रोटोकॉल में बाधाएं आ सकती हैं। इसमें कहा गया है कि घर-घर जाकर टीकाकरण करने में संक्रमण की संभावनाएं हैं, टीका के बॉक्स को हर घर में ले जाया जाएगा जिससे इसकी क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। जवाब में बताया गया है कि टीकाकरण अभियान लंबा चलेगा इसलिए इसकी ज्यादा बबार्दी की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी।

ऑटो चालकों के बैंक खातों में 1500 रुपये जमा करेगी सरकार

संवाददाता

मुंबई। राज्य की ठाकरे सरकार ने परमिट धारक प्रत्येक ऑटो चालक को 1500 रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की थी। अब उसे लागू करने जा रही है। इससे सरकार की तिजोरी पर 107 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में ऑटों चालकों को मदद देने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल के निर्णय

के अनुसार, इससे राज्य के 7 लाख, 15 हजार ऑटो परमिट धारकों को फायदा होगा। सरकार 1500 रुपये सीधे रिक्शा चालकों के बैंक खातों में जमा करेगी। इससे पहले मंगलवार को सानुग्रह अनुदान की समीक्षा के लिए परिवहन मंत्री अनिल परब की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें मुंबई के रिक्शा संगठनों के प्रतिनिधि और परिवहन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

परिवहन विभाग ऑनलाइन प्रणाली विकसित करेगा

राज्य परिवहन विभाग एक ऑनलाइन प्रणाली विकसित कर रहा है। इसमें परमिट धारक रिक्शा चालकों को अपने आधार क्रमांक, वाहन क्रमांक और लाइसेंस नंबर आदि की जानकारी ऑनलाइन रजिस्टर्ड करना होगा। इसकी जांच के बाद पैसे को ऑनलाइन लिंक किए गए बैंक खाते में जमा किया जाएगा। परिवहन मंत्री अनिल परब के अनुसार, इसके लिए वेबसाइट www.transport.maharashtra.gov.in पर जारी की जाएगी। इसके लिए रिक्शा परमिट धारकों को अपने बैंक खातों को आधार कार्ड से लिंक करना आवश्यक है।

मुंबई में कोरोना के नए केस घटे

...लेकिन मरने वालों की संख्या डबल

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में हर दिन कोरोना वायरस के नए मामले रेकॉर्ड बना रहे हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 67 हजार 468 नए केस सामने आए हैं। कुल 568 लोगों की मौत हुई। राजधानी मुंबई में नए मामलों की संख्या तो कम हो गई है पर मरने वालों का आंकड़ा डबल हो गया है। मुंबई में कुल 7 हजार 684 केस आए। 63 मरीजों की जान गई जो कि 20 अप्रैल की तुलना में दोगुनी है। पूरे राज्य में अब एक्टिव मरीजों की कुल संख्या 6 लाख 95 हजार 747 पहुंच गई है। महाराष्ट्र में भले ही 15 दिनों का मिनी लॉकडाउन चल रहा है पर इससे कोरोना वायरस की चेन पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। पूरे राज्य में कोरोना संक्रमण से अबतक 61 हजार 911 मौतें हो चुकी हैं। मुंबई में अब तक के कुल केस 6 लाख 1 हजार 713 हैं। केवल मुंबई में 12 हजार 508 लोगों की जान जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में पूरे राज्य में 54,985 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट चुके हैं। अबतक ठीक होनेवाले मरीजों की संख्या 32,68,449 है।

रिकवरी रेट 81.15 प्रतिशत

महाराष्ट्र में अबतक की रिकवरी रेट 81.15 प्रतिशत है और मृत्यु की दर 1.54 प्रतिशत है। दूसरी ओर, राज्य में इंजेक्शन रेमडेसिविर की कालाबाजारी भी जोरों पर हो रही है। नागपुर में पुलिस ने कोविड-19 रोगी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली वायरल-रोधी दवा रेमडेसिविर की कथित रूप से कालाबाजारी के लिए तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अब नहीं लगेगा लॉकडाउन

इससे पहले, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने ऐलान किया था कि राज्य में लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा लेकिन कुछ पाबंदियां लगाई जा रही हैं। हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि महाराष्ट्र में ऑक्सिजन की मांग 1550 मीट्रिक टन है, इसे पूरा किया जा रहा है। 1250 मीट्रिक टन महाराष्ट्र सरकार की तरफ से महाराष्ट्र में ही निर्माण हो रहा है। बाकी का 300 मीट्रिक टन बाहर के राज्यों से मंगवाया जा रहा है।

विकास दुबे एनकाउंटर: यूपी पुलिस को राहत, न्यायिक आयोग ने दी क्लीन चिट

संवाददाता

नई दिल्ली। कुख्यात अपराधी विकास दुबे के एनकाउंटर मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बीएस चौहान की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने उत्तर प्रदेश पुलिस को क्लीन चिट दे दी है। जानकारी के अनुसार आयोग ने कहा है कि इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। कानपुर के गैंगस्टर विकास दुबे के एनकाउंटर के बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश बीएस चौहान आयोग ने कई पुलिसकर्मियों से पूछताछ की थी। जस्टिस चौहान आयोग ने यह रिपोर्ट यूपी सरकार के गृह विभाग को सौंप दी है। यूपी सरकार अब यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी। सुप्रीम कोर्ट में जल्द ही इस मामले पर सुनवाई होगी। आयोग के सदस्य केएल गुप्ता ने बताया, आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। इसकी एक प्रति उच्चतम न्यायालय के पास भी भेजी जाएगी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों के मुताबिक जांच आयोग को यूपी पुलिस के खिलाफ कोई भी सबूत नहीं मिला है।

बुलढाणा हलचल

स्थानीय अपराध शाखा ने दो लुटेरों को गिरफ्तार किया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले और अन्य जिलों में लूट और डकैती कुख्यात लुटेरों को स्थानीय अपराध शाखा पुलिस ने साइबर सेल और गुजरात पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई 19 अप्रैल को की गई है। पुलिस ने कहा है कि पकड़े गए आरोपियों से कई अपराधों का खुलासा हुआ है। जिलों सहित अन्य जिलों में जबरन चोरी और लुट मार करने वाले सिंदखेडराजा तालुका के सखराखेड़ा में राज उर्फ बबलु शेनफड शिंदे और लोणार तालुके के किनगाव जट्टू हल्ली मुक्काम रुमना तालुका सिंदखेडराजा से राहुल उर्फ विकास राज भोसले वय 23 दोनों आरोपियों को स्थानीय अपराध शाखा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उसके कब्जे से 15,000

रुपये का एक मोबाइल फोन जब्त किया है। बाद में उसने मलकापुर शहर पुलिस स्टेशन में अपराध कबूल कर लिया। दोनों आरोपियों को मलकापुर सिटी पुलिस को सौंप दिया गया है। राज उर्फ बबलू शेनफैड शिंदे के खिलाफ जलगांव जिले के सखराखेड़ा, बालापुर और वरगाँव पुलिस थानों में मामला दर्ज किया गया है। लेकिन वह पांच साल से फरार था। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों ने अन्य जिलों में अपराध किए होंगे। ये कारवाई जिल्हा पोलीस अधिक्षक अरविंद चावरीया, अप्पर पोलीस अधिक्षक बजरंग बनसोडे व हेमराज सिंग राजपुत ईन के मार्गदर्शन मे स्थागुशाखा के पोलीस निरिक्षक बळीराम गिते ईन के नेतृत्व में पोलीस उपनिरिक्षक निलेश शेळ्के, पोहेकॉ विलास काकड, श्रीकृष्ण चांदुरकर, दिपक पवार व दिपक वायाळ ने कि है।

सफा बैतुल माल बुलडाणा की बेहतरीन पहल, गांव की मस्जिदों के ईमामे इकराम में राशन किट का वितरण

बुलडाणा। सफा बैतुल माल जहां गरीब अनाथ बे सहारा की मदद करता है। बैतुल माल सामाजिक कल्याण चिकित्सा क्षेत्र में भी सक्रिय है। ईसी तरह, विशेष रूप से गांवों के इमाम ईकराम जो कम वेतन पर अपनी खिदमात में लगे हुए हैं। उन की हैसीयते ताऊन खुश किस्मती समझता है। इसलिए, रमजान के 7 वें मंगलवार को, सफा बैतुल माल बुलडाणा ने 100 से अधिक इमामों को रमजान राशन किट वितरित किए, जिस मे 2300 रुपये की 24 वस्तुओं से मिलकर वितरित किया गया है। इसी तरह, इमामों और उनकी (अहेलिया) पत्नियों को एक-एक बहेतरीन सुट और नकद रकम वितरीत मोलाना शरीफ जमीअत उलमाअध्यक्ष,हाफिज रहमत कुरेशी। मौलाना अशरफ इनके हाथों वितरित किया गया। इस अवसर पर, सफा बैतुल -माल के अध्यक्ष, हाफिज मुदस्सिर ने अहेले खैर हजरात से अपील की है के ज्यादा से ज्यादा ईमदाद करें। ईमदाद के लिए 9011579974/9860685022 संपर्क करें।

सख्त तालाबंदी की घोषणा

बुलडाणा। सख्त तालाबंदी की घोषणा की गई है। सुबह 7 बजे से 11 बजे तक आवश्यक सेवाओं की बिक्री की ईजाजत है। क्योंकि कुछ लोग इस समय के बाद भी अपनी प्रतिष्ठा को खुला रखते हैं आज सुबह निरीक्षण के लिए पुलिस दल रास्तो पर उतर कर जायजा लिया। डीवायएसपी रमेश बरकते, तहसीलदार रुपेश खंदारे, न.प. मुख्याधिकारी महेश वाघमोडे आणि ठाणेदार प्रदीप साळुके खुद शहर के मुख्य चौराहों का जायजा लिया। आज पूरा दिन शहर सून्नाटा रहा। दुसरी ओर चहेल पहेल पर बहुत हद तक नियंत्रण पाया गया।

मेहनत और खुद में विश्वास रखने वाली अभिनेत्री किरण चौधरी के साथ मुलाकात के अंश प्रस्तुत हैं

बेहद खूबसूरत अदाकारा किरण जो कि बंगाल से ताल्लुक रखती है। थोड़े वर्ष पूर्व मुंबई मायानगरी में कुछ कर दिखाने के जज्बे के साथ अपने कदम रखती है। दृढ़ निश्चय, अटूट मेहनत और अपने हुनर टैलेंट के जरिए बिना किसी को गोद फादर बनाये टेलीविजन के शो व सीरियल स करके खुद को अभिनेत्री के रूप में प्रस्तावित करती है। उनसे हुई चर्चा में अभिनेत्री ने बताया कि बिना किसी बड़े फिल्मी बैकग्राउंड के बगैर किसी शिफारिश के इस इंडस्ट्री में काम पाना बहुत कठिन है। यहाँ पर तरह तरह के दावपेच और खुद का शोषण न हो काम भी मिलता रहे इसके लिए टैलेंट के अलावा नसीब भी होना चाहिए। कोरोना जैसी आफत में लोग संयम से काम ले अफवाहों पर ध्यान न दे और एक दूसरे की मदद करे, ये खुद बहुत सारे सामाजिक संस्थाओं के द्वारा जुड़कर लोकहित

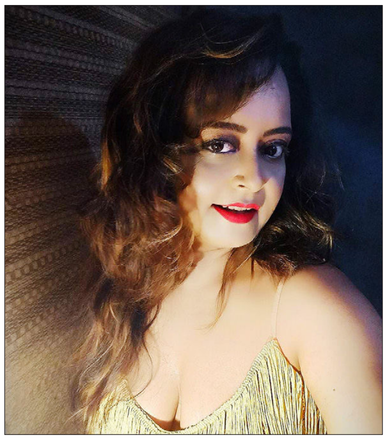

के उत्तम सराहनीय कार्य भी जोर शोर से कर रही है। अदाकारा कहती है कि ईश्वर में अटूट आस्था, नियमित योग प्राणायाम, डाइट प्लान से खुद को सुंदर स्वस्थ रखना भी जरूरी है। अभिनेत्री रेखा व माधुरी दीक्षित को अपना आदर्श मानने वाली किरण नवोदित अभिनेत्रियो, मॉडल्स को यही सलाह देती है कि इस मायानगरी में कुछ ऐसे तत्व भी है जो कि उनको बहला फुसला कर कुछ गलत करने पर मजबूर कर सकते है तो उनके चक्कर मे आकर गलती न कर बैठे। इत्मिनान से खुद की टैलेंट मेहनत के दम पर कामियाबी हांसिल करे और अपने परिवार का नाम रोशन कर खुद पर फक्र महसूस करवाये। किरण ने बताया कि उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में कुछ और सिरियल और साउथ के बड़े प्रोडूक्शन्स से बात चीत भी चल रही है जल्द ही अपने दर्शकों को वो बड़ा धमाकेदार सरप्राइज देंगी।

समस्तीपुर हलचल

कोरोना पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले प्रधानमंत्री से ऐपवा जिलाध्यक्ष ने पूछा 11 सवाल

संवाददाता/जकी अहमद

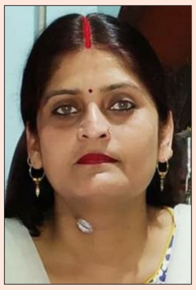

समस्तीपुर। कोरोना महामारी रोकने की पूरजोर कोशिश करने के बजाय श्मशान छुपाने, आकड़ा छुपाने, सरकार की कमजोरी छूपाकर सस्ती लोकप्रियता बटोरने को लेकर बार- बार टीवी पर आकर अपने पीठ थपथपाने एवं घड़ियाली आंसू बहाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मीडिया के माध्यम से देशहित में ऐपवा जिलाध्यक्ष बंदना सिंह ने 11 सवाल पूछते हुए प्रधानमंत्री को ललकारा है कि हिम्मत है तो देश को बताएं...

1- एक साल में ऑक्सीजन के कितने नए प्लांट लगाए गए?
2- कितने हॉस्पिटलों का निर्माण हुआ?
3- भाजपा के लोग दवाओं की कालाबाजारी क्यों कर रहे हैं ?
4- हॉस्पिटलों में बेड, ऑक्सिजन, वेंटिलेटर व दवाएं क्यों उपलब्ध नहीं हैं?
5- वैक्सीन अभी तक सभी लोगों को क्यों नहीं लगवाया गया?
6- मजदूरों के लिए क्या कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई?
7- जिन शहरों को स्मार्टसिटी बनाने वाले थे आज वो क्यों श्मशान में तब्दील हो गया है?
8- पी एम केयर फण्ड का क्या हुआ?
9- जहाज से कोरोना आयात कर भारत लाने के पीछे आपकी क्या मंशा थी?
10- आप बंगाल में बिना मास्क भीड़ जुटाकर रैली करते रहे, कुंभ मेला में साधुओं का जमावड़ा देखकर भी चुप क्यों रहे?
11- कोरोना से मौत पर दाह-संस्कार छुपाने को लेकर श्मशान की लोहे की चादर से घेराबंदी, मीडिया पर प्रतिबंध क्यों?

राजस्थान हलचल

मुस्लिम महासभा के अल्लाहनुर भाई का आकस्मिक निधन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। मुस्लिम महासभा राजसमन्द के एक कर्मठ कार्यकर्ता ओर समाज सेवी मोहतरम अल्लाह नूर जी रँगरेज आमेट जिनका कि केवल मुस्लिम समुदाय में नही बल्की हर समाज मे नाम ही काफी था, वह हर दम हर वक्त कहीं पर भी कोई भी जरूरत होती, बिना किसी देरी के पहुंच जाते थे। जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान ने बताया वह हमारे बीच में नहीं रहे, लेकिन उनकी यादें मौजूद है उनकी शख्सियत का कोई जवाब नहीं था, दिल में हमेशा बिना स्वार्थ का हिन्दू मुस्लिम भाई चारे व मोहब्बत और भाईचारा हमेशा कायम रखने एवम हजरत गुलाब शाह बाबा र.आ .की दरगाह पर लंगर ग्रुप के वह बहुत महत्वपूर्ण सदस्य थे और उनकी यादें कभी भुलाई नहीं जा सकती हैं, अल्लाह तआला ने उनको माहे रमजान में अपने पास बुलाया है, अल्लाह रब्बुल इज्जत उन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला मकाम अता फरमाए, मुस्लिम महासभा को ऐसे समय निःस्वार्थ समाज सेवी अल्लाहनूर भाई आप हमेशा बहुत याद आते रहोगे।

मधुबनी हलचल

एक ही साथ पहले बेटा फिर कुछ देर बाद मां दोनों ही छोड़ गए दुनिया

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। दरभंगा शहर के पुरानी मुंसफी के रहने वाले हम सभों के बहुत करीबी जनाब अंजार अहमद हाशमी साहब के तीसरे साहबजादे (बेटा) और अहलिया (पत्नी) कौमी तंजीम दरभंगा के ब्यूरो चीफ मंसूर खुश्तर के साला इश्तियाक हाशमी और सास दोनों ही दुनिया को छोड़ अल्लाह को प्यारे हो गए। अल्लाह पाक मां बेटे की मगफिरत करे। अहले खाना को इस दर्दनाक गम सहने की हिम्मत दे। ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ इस न सहन कर पाने वाले दुख की घड़ी परिवार के साथ गम में बराबर का शरीक है।

डाइट में लें नेगेटिव कैलोरी वाले फूड्स और तेजी से घटाए वजन

नेगेटिव कैलोरी फूड्स : वजन कम करने के लिए अक्सर लोग लो कैलोरी फूड ही खाना पसंद करते हैं। इसके अलावा सेहत को लेकर सचेत रहने वाले लोगों की डाइट में भी ज्यादा लो कैलोरी फूड्स ही शामिल होते हैं। मगर क्या आप जानते हैं लो कैलोरी फूड की बजाए नेगेटिव कैलोरी फूड मोटापा कंट्रोल में ज्यादा मददगार होते हैं। जी हां, नेगेटिव कैलोरी फूड न सिर्फ आपका वजन कंट्रोल करता है बल्कि उसे जरूरत के हिसाब से कम भी करता है। अगर आप भी हैल्थ कॉन्शियस है तो आपको इसके बारे में पता होना जरूरी है।

क्या होती है नेगेटिव कैलोरी?

नेगेटिव कैलोरी फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिसे पचाने के लिए भी कैलरीज की जरूरत होती है। 100 ग्राम नेगेटिव कैलोरी फूड को पचाने के लिए आपके शरीर में से 200 कैलोरी बर्न होगी। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कोई पोषक तत्व नहीं होता सिर्फ कैलोरी होती है। यह आपके शरीर में जमा होकर वसा या फैट का नर्माण करने लगता है और इन फूड्स को पचाने के लिए शरीर कैलोरी बर्न करना शुरू करता है। इससे आपका वजन बढ़ने की बजाए कम होने लगता है।

नेगेटिव कैलोरी फूड्स

नेगेटिव कैलोरी ज्यादातर पौधों से प्राप्त होने वाली चीजों में पाई जाती है। जामुन, नींबू के फल, गाजर, टमाटर, खीरे, तरबूज, उबचिनी, सलाद आदि नेगेटिव कैलोरी फूड्स होते हैं। इसके अलावा फूलगोभी, ककड़ी, सेब और तोरई में भी नेगेटिव कैलरी पाई जाती है। इन चीजों से आपको न सिर्फ हैल्दी कैलोरी मिलती है बल्कि इससे आपके शरीर को विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर भी भरपूर मात्रा में मिलते हैं। इतना ही नहीं, इनका सेवन मेटाबॉलज्मि को भी तेजी से बढ़ाता है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है और कंट्रोल में भी रहता है।

जंक और मीठे में होती है ज्यादा कैलोरी

दिनभर में खाएं जाने वाले खाद्य पदार्थ में थोडी-बहुत कैलोरी की मात्रा तो होती है लेकिन जंक और मीठे में सबसे ज्यादा कैलोरी होती है। इनमें पोषक तत्व नहीं होते इसलिए यह शरीर में फैट को जमा करके वजन बढ़ाने लगते हैं। जिन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पानी की मात्रा ज्यादा होती है, उनमे कैलोरी की मात्रा कम पाई जाती है।

बिना एक्सरसाइज 1 महीने में घटाएं जांघों और कूल्हों में जमी जिद्दी फैट!

मोटापा एक गंभीर समस्या है। आज हर तीसरा व्यक्ति मोटापे से परेशान है। वजन बढ़ने का सबसे ज्यादा असर पेट, जांघ और कूल्हों पर देखने को मिलती है। ज्यादातर इस परेशानी का सामना महिलाओं को ही करना पड़ता है। जांघ और कूल्हों के फैट के कारण कई बार दूसरों से सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। अपनी शर्मिंदगी को कम करने और परफैक्ट फिगर पाने के लिए लड़कियां डाइटिंग और कसरत करने लगती है। जरूरत से ज्यादा कसरत करने पर शरीर में कमजोरी होने लगती है। ऐसे में आप बिना एक्सरसाइज के 1 महीने में जांघों और कूल्हों के फैट को कम कर सकते हैं।

1. नारियल का तेल
जांघों और कूल्हों का फैट कम करने के लिए नारियल तेल से मसाज करें। इसमें पाए जाने वाले गुण फैटी एसिड को ऊर्जा में बदल देते हैं। रोजाना जांघों और कूल्हों के आस-पास नारियल तेल से मालिश करने पर चर्बी आसानी से कम होने लगेगी।

2. एप्पल साइडर विनेगर
एप्पल विनेगर भी शरीर की चर्बी को कम करता है। ऑलिव ऑयल और नारियल तेल में एप्पल साइडर विनेगर डालकर एक मिश्रण तैयार करें। फिर रोजाना इस मिश्रण से जांघों और कूल्हों पर मसाज करें। दिन में दो बार इस तेल को लगाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. कॉफी ग्राउंड
कॉफी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, कैफीन त्वचा को सेल्युलाइट और सेगिंग होने से रोकती है। इसको जांघों और कूल्हों पर स्क्रब करने से कुछ ही दिनों में आपको परफैक्ट फिगर मिलेगी। आप चाहे तो कॉफी में शहद मिलाकर भी लगा सकते हैं।

4. कलौंजी का पानी
वजन करने के लिए कलौंजी का पानी किसी औषधि से कम नहीं है। इसमें पाए जाने वाले गुण फाइवर फैट को कम करते हैं। कलौंजी को अच्छे से उबाल लें। फिर ठंडा होने पर इसका सेवन करें।

5. पुदीने की चाय
जाघों और कूल्हें के फैट कम करने के लिए पुदीने की चाय का सेवन करें। रोजाना पुदीने की चाय पीने से 1 महीने में आपकी जांघों और कुल्हें की चर्बी गायब हो जाएगी।

क्या मच्छरों के काटने से भी हो सकता है एचआईवी?

मानसून के मौसम में पनपने वाले मच्छर मलेरिया, चिकनगुनिया और डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियां फैलाते हैं। बहुत से लोग मच्छरों से होने वाली बीमारियों को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं। उन्हें लगता है कि मच्छरों के काटने से भी एचआईवी की बीमारी हो सकती है, जोकि गलत है। आज World Mosquito Day के मौके पर हम आपको कुछ ऐसे सवालों का जबाव बताएंगे, जो शायद ही आपको पता हो।

क्या मच्छरों से फैलता है HIV?

अक्सर लोगों के मन में सवाल ये उठता है कि जब इंफेक्टेड इंजेक्शन के जरिए एचआईवी फैल सकता है तो मच्छरों के जरिए क्यों नहीं। एक्सपर्ट के मुताबिक, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मच्छर के भीतर हर तरह के वायरस सरवाइव नहीं कर पाते और एड्स का वायरस मच्छरों के पेट में जिंदा नहीं रह पाता। मच्छर के पेट में खून के साथ ही एचआईवी वायरस भी डाइजेस्ट हो जाते हैं और वह पूरी तरह खत्म हो जाते हैं। अगर मच्छर किसी एचआईवी इन्फेक्टेड व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति को भी काटता है तो भी यह नहीं फैलता।

मच्छरों के काटने से खुजली क्यों होती है?

मच्छरों के काटने से शरीर में खुजली शुरू हो जाती है क्योंकि मादा मच्छर जब खून पीने के लिए अपना डंक आपके शरीर में चुभाती है तो त्वचा की ऊपरी पर्त पर छेद हो जाता है। आपके शरीर में कहीं भी छेद हो तो तुरंत खून का थक्का जम जाता है। थक्का जम ने पर मच्छर खून नहीं पी पाते इसलिए मच्छर अपने डंक से एक ऐसा रसायन छोड़ते है, जिससे खून का थक्का नहीं बनता। मगर इसके रिएक्शन से त्वचा पर खुजली होने लग जाती है और वह जगह सूज भी जाती है।

किस ब्लड ग्रुप को ज्यादा काटते है मच्छर

शोधकर्ता मानते हैं कि मच्छरों में इतनी क्षमता नहीं होती कि वे हर तरह के ब्लड ग्रुप को पचा सकें। ऐसे में वह उन्हीं लोगों को ज्यादा काटते हैं, जिनके खून में शर्करा की मात्रा अधिक होती है। यही वजह है कि मच्छर ड ब्लड ग्रुप के लोगों को ज्यादा काटते हैं क्योंकि उनके खून में शर्करा की मात्रा ज्यादा होती है।

पसीने की गंद भी करती है आकर्षित

शोध में सामने आया है कि मच्छर पसीने की गंध से आकर्षित होते हैं। जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता है मच्छर उन्हें ज्यादा काटते हैं। पसीने में लैक्टिक एसिड, यूरिक एसिड तथा अमोनिया जैसे तत्व होते हैं और जो मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं।

क्या मच्छर शाम को ही काटते हैं?

मच्छर सुबह शाम ज्यादा एक्टिव होते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह दिन में नहीं काटेंगे। कुछ मच्छर ऐसे भी होते हैं, जोकि दिन के समय काट लेते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकार पर बरसीं रिचा चड्ढा

देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। तमाम बॉलिवुड सिलेब्रिटीज भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। इस बीच ऐक्ट्रेस रिचा चड्ढा ने अपने एक ट्वीट के जरिए सरकार पर निशाना साधा है। रिचा ने ट्विटर पर लिखा, आप कुछ भी कह सकते हैं- जैसे हमारे पास 20 स्मार्ट शहर हैं, हम सुपरपावर बन जाएंगे, हमारे पास 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था और नौकरियां होंगी! आप जो भी कहना चाहते हैं, कह सकते हैं क्योंकि यह सच नहीं है। सच यह है कि हमारे पास ऑक्सिजन सिलिंडर्स, दवाइयां, बेड्स, वैक्सीन और श्मशान में जलाने के लिए लकड़ियां नहीं हैं। अब रिचा के इस ट्वीट पर लोगों के तरह-तरह के रिऐक्शन्स आ रहे हैं। बता दें, कई राज्यों से ऑक्सिजन, बेड्स, वैक्सीन जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

खुश रहना ज्यादा जरूरी: मिनिषा लांबा

फिल्म एक्ट्रेस मिनिषा लांबा ने कई रेस्टॉरेंट के मालिक रियान थम से विवाह रचाया था। सब कुछ अच्छा चल रहा था, लेकिन पिछले साल मिनिषा ने तलाक ले लिया। मिनिषा के इस कदम से उनके फैंस का चौंकना स्वाभाविक था। मिनिषा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जिंदगी में आगे बढ़ना जरूरी है और सबसे महत्वपूर्ण बात कि खुश रहना जरूरी है। यदि कोई चीज काम नहीं कर रही है, तो उससे अलग हो जाना ही बेहतर है। आज हमारे पास इसके लिए विकल्प हैं और अलगाव कोई कलंक नहीं है। मिनिषा ने बॉलीवुड में 'यहां' फिल्म से शुरूआत की थी। फिल्म क्रिटिक्स ने इसकी सराहना की थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म असफल रही थी और मिनिषा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। धीरे-धीरे मिनिषा में फिल्म प्रोड्यूसर का विश्वास जाना और उन्होंने कुछ अच्छी फिल्में भी की, लेकिन वो चली नहीं। बिग बॉस शो में भी वे नजर आई थीं।

सलमान खान की राधे 13 मई को सिनेमाघरों और डिजीटल मीडियम्स पर होगी रिलीज

सलमान खान आखिरकार ईद पर अपने फैंस को तोहफा देने जा रहे हैं। उनकी फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' 13 मई को सिनेमाघरों और डिजीटल मीडियम्स पर रिलीज होगी। यह दुनियाभर में एक साथ कई प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली पहली बिग बजट फि ल्म बनेगी। फिल्म का ट्रेलर 22 अप्रैल को रिलीज होने वाला है। सलमान खान की फिल्में पूरी तरह से दर्शकों का मनोरंजन करती हैं, दर्शकों को लुभाती हैं। हालांकि, देश में भयावह हो रही कोविड स्थिति के कारण बेहद सीमित थिएट्रिकल रिलीज होगी, जिससे सलमान खान के कई प्रशंसकों को निराशा हो सकती है। इस तथ्य पर गौर करते हुए जी स्टूडियोज ने फिल्म की रिलीज के लिए एक साथ बहु-स्तरीय रणनीति तैयार की है। राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई अब दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी जहाँ सरकार द्वारा जारी किए गए कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाएगा और जी5 पर जी की 'पे पर व्यू' सर्विस ZEEPlex के साथ, जो भारत के प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से संबंधित है और सभी प्रमुख डीटीएच ऑपरेटर यानि डिश, डी2एच, टाटा स्काई और एयरटेल डिजिटल पर देख सकेंगे, जिससे दर्शकों को उनके आराम और सुविधा के अनुसार फिल्म देखने के लिए कई विकल्प दे रहे हैं।